वि . वि .मं

रा. म. साळगांवकर उच्च माध्यमिक विद्यालय

मडगांव गोवा

प्रथम त्रैमासिक परीक्षा

कक्षा : १२ वी | विषय : हिन्दी | समय : १ घंटा | अंक: २०

उत्तर पत्रिका

निम्नलिखित अपठित गद्यांश के आधार पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लगभग १५ से २० शब्दों में लिखिए। (३)

इसमें विद्यार्थी की समझ तथा भाषा पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा में लिखे हुए सही जवाब को पूर्ण अंक दिए जाए।

१, २ ,३

निम्नलिखित पठित गद्यांश के आधार पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (३)

४. ईश्वर में जो विशेषताएँ है , वही भ्रष्टाचार में भी है। ईश्वर की भाँति वह भी सूक्ष्म ,अगोच है। वह सर्वत्र व्याप्त है , उसे केवल अनुभव किया जा सकता है।

५. क्योंकि पिछले माह उस सिंहासन पर रंग करने के जिस बिल का भुगतान किया गया था वह बिल झूठा था। वह वास्तव से दुगने दाम का था। आधा पैसा बीच वाले खा गए थे।

६. चौकना रहना या सावधान रहना

निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर अंत में पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लगभग १५ से २० शब्दों में लिखिए । (३)

७. क्योंकि आराम करना उसके नसीब में नही है। उसे आजीवन संघर्ष करना है , कुछ क्षण उधार मिला सुख उसे नही चाहिए।

८. सामने बडे भवन ,भवनों की रक्षा के लिए दीवारे , निर्माण की अधिकारी ,सुख उपभोगने की नही , पूँजीवादी व्यवस्था पर व्यंग।

९. श्रमिक महिला के हाथ मे गुरु हथौडा था और उससे वह पत्थर तोड रही थी।

अथव

७ .बच्ची को चुप कराने तथा उसका मन बहलाने के लिए दादा ने बच्ची को चंदा दिखलाया।

८ . बचपन खुशियों भरा , मधुर होता है। चिंतारहीत होना , निर्भय , स्वच्छन्द रुप से खेलना कूदना बचपन की विशेषता होती है।

९. बिटिया की मधुर आवाज से कवयित्री की कुटिया नंदनवन सी फूल उठी।

१० . **निम्नलिखित काव्यांश का भाव सौंदर्य लिखिए।** (२)

कबीर मन की स्वच्छता की बात करते है। मानव ने स्वच्छता के वास्तविक मर्म को नही जाना। उसका शरीर और कपडों को धोकर स्वच्छता का व्यर्थ आडम्बर करना। मन की स्वच्छता ही वास्तविक स्वच्छता। काया और वस्त्र की स्वच्छता से मनुष्य का मुक्ति न पाना।मन की विषय

वासना की स्वच्छता से ही मुक्ति संभव। बाहरी स्वच्छता, बाहरी कर्मकांड, क्रिया कलापों को ईश्वर प्राप्ति का मार्ग समझनेवाले ढोंगी मनुष्य को कबीर मन की स्वच्छता और सच्ची साधना के बारे में बताते है।

निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर लगभग ४० से ४५ शब्दों में लिखिए। (२)

११. गैरकानूनी नमक की दलाली करनेवाला भ्रष्टाचारी, लक्ष्मी का उपासक, उसे सर्वोच्च माननेवाला, पैसो के बल पर अदालत में सबको खरीदकर मुकद्दमा जीतना, कुशल वक्ता, वाणी ओर धन से सबको वश में करना, ईमानदारी के कायल, कहानी के अंत में उज्वल रुप सामने आना, वंशीधर की ईमानदारी से प्रभावित, उसके घर जाना, ..., उसे अपनी सारी संपत्ती का स्थायी मैनेजर नियुक्त करना।

अथवा

बहू के हाथों बिल्ली की हत्या, बिल्ली की हत्या को पाप समझना, अंधविश्वास के तहत प्रायश्चित, विचार विमर्श करने के लिए पंडित परमसुख को बुलाना, प्रायश्चित के नाम पर सोने की बिल्ली, पूजा पाठ की ढेर सारी सामग्री और दान दक्षिणा माँगना, घरवालों की श्रध्दा, डर का फायदा उठाना, उन्हें लुटना, लेखन ने पं. परमसुख के माध्यम से व्यंग्य किया, कैसे परमसुख जैसे धर्म के पुजारी लोगों को धर्म, पाप पुण्य का डर दिखाकर, उनकी श्रध्दा का फायदा उठाते है।

निम्नलिखित माध्यम / लेखन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लगभग १० से १२ शब्दों में लिखिए। (३)

१२. उदंत मार्तंड का प्रकाशन कलकत्ता से १८२६ में हुआ था और उसके संपादक पंडित जुगल किशोर शुक्ल थे।

१३. भारत में पहली मूक फिल्म बनाने का श्रेय दादा साहेब फाल्के को जाता है।

१४. भारत मे टेलीविजन की शुरुआत करने का मकसद था, टेलीविजन के जरिये शिक्षा और सामुदायिक विकास को प्रोत्साहित करना।

अथवा

१४. ऑल इंडिया रेडियो की स्थापना १९३६ में हुई थी।

१६. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर फीचर तैयार कीजिए। (लगभग १०० शब्दों में)** (४)

फीचर लेखन के लिए अंक विभाजन इस प्रकार होगा -

प्रस्तुति	-	१ अंक
विषय वस्तु	-	३ अंक
भाषा	-	१ अंक